ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–93
दिनांक– शुक्रवार, 06 दिसम्बर, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.3 एवं 10.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 94 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 44 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.2 एवं दोपहर में 26.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 दिसम्बर, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 दिसम्बर, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 2–3 दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। पूरवा हवा चलने के कारण वायुमंडल में अत्याधिक नमी तथा अनुकुलिये मौसमीय सिस्टम के प्रभाव से 9–10 दिसंबर के आसपास आसमान में हल्के से मध्यम बादल छा सकते है और इसके प्रभाव से हल्की बूंदा बूंदी या वर्षा हो सकती है।
- अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- औसतन 3 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले 2 दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- 9–10 दिसंबर के आसपास हल्की बूंदा बूंदी या वर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो को सावधानी पूर्वक करें।
- सिंचित एवं समयकालीन गेहूँ की किस्मों की बुआई अतिशीघ्र संपन्न करने का प्रयास करें। अगात बोयी गई गेहूँ की फसल जो 22–25 दिनों की हो गई हो, में हल्की सिंचाई करें। सिंचाई के 1–2 दिनों बाद प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।
- 10 दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई की सलाह दी जाती है। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्में जैसे एच0यू0डब्लू0 234, डब्लू0आर0 544, राजेंद्र गेहूं–1 एच0 आई0 1563, डी0बी0डब्लू0 14, एच0डी0 2967 तथा एच0डब्लू0 2045 अनुसंशित है।
- अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- चना की बुआई अतिशीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुसंशित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस 8 मि0ली0 प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- पिछात गोभी वर्गीय सब्जियों में गोभी की तितली/छिद्रक कीट/पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू गोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इन कीटों से बचाव हेतु मैलाथियान (50 ई0सी0) का 2 मि0ली0 या डाइमेथोएट(30 ई0सी0) का 1 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर पौधों पर समान रुप से छिड़काव करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल जैसे मटर, टमाटर, बैगन, मिर्च में फल छेदक कीट का प्रकोप दिखने पर स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या क्वीनलफॉस 25 ई0सी0 दवा का 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
- बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- लहसुन की फसल में निकाई–गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रुप से सिंचाई करें। लहसुन की फसल में कीट–व्याधि की निगरानी करें।
- रबी प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉसफोरस, 80 किलोग्राम पोटास तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध 50–55 दिनों का हो गया हो वें छोटी–छोटी क्यारीयाँ बनाकर पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3–5 मीटर रखे। पिछात प्याज की पौधशाला से प्रत्येक 10 से 12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- चारे के लिए जई तथा बरसीम की बुआई करें। जई के लिए 80 किलोग्राम बीज तथा बरसीम के लिए 20 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 08.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)